4. भाषाएँ एवं साहित्य

(LANGUAGES AND LITERATURE)

4.1. प्राकृत

(PRAKRIT)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, प्राकृत को अभी तक शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हुआ है।

भारत सरकार द्वारा **कन्नड़, मलयालम, उडिया, संस्कृत, तमिल और तेलुगु** को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है।

शास्त्रीय भाषा घोषित करने के लिए मानदंड :

- इसके आरंभिक ग्रंथों की 1500-2000 वर्षों की प्राचीनता।
- कुछ प्राचीन साहित्य / ग्रंथ जिन्हें इस भाषा को बोलने वालों की कई पीढ़ियों द्वारा मूल्यवान विरासत माना जाता रहा हो।
- इसकी अपनी मूल साहित्यिक परंपरा होनी चाहिए न कि किसी अन्य भाषाई समुदाय से उधार ली गयी हो।
- शास्त्रीय भाषा और साहित्य आधुनिक से भिन्न होते हैं अतः शास्त्रीय भाषा और इसके बाद के रूपों या इसकी शाखाओं के मध्य असातत्य हो सकता है।

प्राकृत के बारे में

- मानक भाषा संस्कृत से किसी भी तरह का भेद रखने वाली किसी भी भाषा को व्यापक अर्थों में प्राकृत कहा जाता था। यह वैदिक काल के पश्चात पाली के साथ भारतीयों द्वारा बोली जाने वाली अन्य भाषा थी।
- माना जाता है कि प्राकृत भाषा का उपयोग जैन ग्रंथों को अंगीभूत करते समय किया गया था।
- हाल (300 ईस्वी) द्वारा गाथासप्तशती (700 छंद) की रचना प्राकृत भाषा में की गयी जो श्रृंगारिक साहित्य का अनुपम उदाहरण है। यह 700 छंदों का संकलन है जिसमें 44 कविताओं की रचना स्वयं हाल द्वारा की गयी है।
- जैनों के दो प्रमुख संप्रदायों के पवित्र ग्रंथों (सिद्धांत या आगम) में तीन प्रकार की प्राकृत का प्रयोग किया गया। श्वेतांबर संप्रदाय के सबसे प्राचीन सूत्र **अर्द्ध -मागधी** में लिखे गए हैं, जबकि बाद के ग्रन्थ **महाराष्ट्री** में हैं। दिगंबर संप्रदाय के पवित्र ग्रन्थ **शौरसेनी** में लिखे गए हैं।

4.2. कोंकणी

(Konkani)

सुर्ख़ियों में क्यों?

कोंकणी में बाल साहित्य को प्रोत्साहित और संरक्षित करने के लिए कोंकणी भाषा मंडल द्वारा कोंकणी में 100 पुस्तकों का अनुवाद किया जाएगा।

- **कोंकणी गोवा राज्य की आधिकारिक भाषा है और संविधान की 8वीं अनुसूची में उल्लिखित 22 अनुसूचित भाषाओं में से एक है।**
- कोंकणी भाषा कोंकण और मालाबार तट के समीपवर्ती क्षेत्रों में बोली जाती है।
- कोंकणी एकमात्र ऐसी भाषा है, जिसे पांच अलग-अलग लिपियों - **रोमन**, **देवनागरी**, **कन्नड़**, **फ़ारसी-अरबी और मलयालम** में लिखा जाता है।
- इस भाषा का प्रथम ठोस साक्ष्य मराठी कवि नामदेव (भक्ति संत) के 263वें अभंग से प्राप्त होता है।
- कोंकणी **1556** में मुद्रित की जाने वाली प्रथम एशियाई भाषा बनी।

4.3. साहित्य का नोबेल पुरस्कार: काजुओ इशिगुरो

(Nobel Prize in Literature: Kazuo Ishiguro)

सुर्ख़ियों में क्यों?

स्वीडिश अकादमी ने जापानी मूल के ब्रिटिश लेखक **काज़ुओ इशिगुरो** को वर्ष 2017 के साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया।

विषय सम्बन्धी अतिरिक्त जानकारी

- इशिगुरो को इनके उपन्यास **"दी रिमेंस ऑफ द डे"** के लिए सर्वाधिक प्रसिद्धि मिली। इसके लिए उन्हें 1989 में बुकर पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।
- उनकी अन्य रचनाओं में 'ए पेल व्यू ऑफ़ हिल्स', और 'एन आर्टिस्ट ऑफ द फ्लोटिंग वर्ल्ड' आदि शामिल हैं।
- रबींद्रनाथ टैगोर एकमात्र भारतीय हैं, जिन्होंने साहित्य में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया है।
- रबींद्रनाथ टैगोर की प्रमुख कृतियों में गीतांजलि, द पोस्टमास्टर, चतुरंगा, चोखेर बाली आदि सम्मिलित हैं।

4.4. पद्मावत

(Padmaavat)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- राजपूत प्रत्येक वर्ष फरवरी और मार्च के महीनों में रानी पद्मावती के जौहर (स्व-बलिदान) का उत्सव मनाते हैं।

पद्मावत

- यह 16 वीं सदी में सूफी कवि मलिक मुहम्मद जायसी द्वारा अवधी भाषा में लिखा गया महाकाव्य है। यह महाकाव्य अलाउद्दीन खिलजी द्वारा चित्तौड़ की ऐतिहासिक घेराबंदी की कहानी है।
- मलिक मुहम्मद जायसी 15वीं सदी के एक भारतीय सूफी कवि थे जिन्होंने अवधी और फारसी दोनों भाषाओं में रचनाएं की थीं।

अलाउद्दीन खिलजी के सुधार

- उसने एक विशाल स्थायी सेना को पोषित किया जिसके वेतन का भुगतान **नकद** में किया जाना था।
- उसने **दाग और हुलिया** प्रणाली को लागू किया।
- उसने कीमतों को सुनिश्चित करने के लिए चार अलग-अलग बाजारों और एक विभाग की स्थापना की। वस्तुओं की कीमतें भी निर्धारित की गयी थीं।
- भू-राजस्व का आकलन करने के लिए उसने भूमि की वैज्ञानिक माप की शुरुआत की, ऐसा करने वाला वह दिल्ली का पहला सुल्तान था। उसने खराज भी शुरू किया जिसमें उपज का 50% कर के रूप में राज्य को दिया जाना था।
- किसी को भी किसानों से सीधे खरीद की अनुमति नहीं थी, केवल व्यापारी ही ऐसा कर सकते थे। दिल्ली के सभी व्यापारियों को स्वयं को पंजीकृत करना आवश्यक था।
- उसने **चौधरी (परगना के मुखिया), खूत (ज़मींदार)** और **मुक्कद्दम (गांवों के मुखिया)** के विशेषाधिकारों को भी समाप्त कर दिया। यहां तक कि बड़े ज़मींदार भी करों से नहीं बच सकते थे।
- उसने **दो नए कर**- घोड़े पर लगाया जाने वाला कर और दूध देने वाली सभी गायों पर कर; प्रारम्भ किये। जजिया को गैर-मुसलमानों पर आरोपित किया गया था।

4.5. साहित्य अकादमी पुरस्कार

(Sahitya Akademi Awards)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- साहित्य अकादमी ने 24 भाषाओं में अपने वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा की जिसमें संविधान में उल्लिखित 22 भाषाओं के साथ अंग्रेजी और राजस्थानी भी सम्मिलित हैं।

साहित्य अकादमी पुरस्कारों के संबंध में

- साहित्य अकादमी किसी भी प्रमुख भारतीय भाषा में प्रकाशित साहित्यिक योग्यताओं वाली सर्वोत्कृष्ट पुस्तकों को पुरस्कार प्रदान करती है।
- **साहित्य अकादमी (इंडियाज नेशनल एकेडमी ऑफ लेटर्स-India's National Academy of Letters**), देश में साहित्यिक संवाद, प्रकाशन और प्रचार हेतु केंद्रीय संस्था है और यह ऐसा एकमात्र संस्थान है जो 24 भारतीय भाषाओं में साहित्यिक गतिविधियां संचालित करता है।
- **भारत सरकार द्वारा 1954 में** इसकी स्थापना की गयी थी लेकिन यह स्वायत्त रूप में कार्य करती है। यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत है।

अन्य साहित्य पुरस्कार (Other Literary Awards)

व्यास सम्मान (Vyas Samman)

- **2017 का व्यास सम्मान ममता कालिया को उनकी रचना "दुक्खम सुक्खम" के लिए दिया गया।**
- यह विगत 10 वर्षों में प्रकाशित हिंदी की साहित्यिक कृति के लिए दिया जाने वाला साहित्यिक पुरस्कार है। यह पुरस्कार **1991 से के. के. बिड़ला फाउंडेशन** द्वारा प्रदान किया जाता है ।

भाषा सम्मान (Bhasha Samman)

- 2018 का भाषा सम्मान **मगही** लेखक **शेष आनंद मधुकर** को दिया गया।
- यह पुरस्कार भी साहित्य अकादमी द्वारा प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार उन लेखकों को दिया जाता है जिन्होंने साहित्य अकादमी द्वारा कवर की गयी 24 भाषाओं के अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ज्ञानपीठ पुरस्कार (Gyaanpeeth Award)

- 2017 का ज्ञानपीठ पुरस्कार हिंदी की साहित्यकार कृष्णा सोबती को प्रदान किया गया है।
- ज्ञानपीठ पुरस्कार **भारतीय ज्ञानपीठ न्यास** द्वारा प्रदान किया जाता है जिसे साहू शांति प्रसाद जैन ने स्थापित किया था। यह ऐसे साहित्यकारों की पहचान करता है जो भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 22 भारतीय भाषाओं में से किसी भी भाषा में रचना करते हैं।

सरस्वती सम्मान (Saraswati Samman)

- कोंकणी लेखक महाबलेश्वर सैल को उनकी रचना **"हावठन"** के लिए 2017 का सरस्वती सम्मान प्रदान किया गया।
- यह पुरस्कार संविधान में सूचीबद्ध 22 भारतीय भाषाओं में की गयी किसी उत्कृष्ट गद्यात्मक या पद्यात्मक साहित्यिक कृति के लिए के. के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा दिया जाता है।

संगीत नाटक अकादमी (Sangeet Natak Academi) - संगीत, नृत्य और नाटक के लिए भारत की राष्ट्रीय अकादमी है।

- यह भारत सरकार द्वारा 1952 में स्थापित कला की पहली राष्ट्रीय अकादमी थी। यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1986 के तहत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत है।
- यह देश में निष्पादन कला के सर्वोच्च निकाय के रूप में कार्य करती है। यह संगीत, नृत्य और नाटक के रूप में व्यक्त विविधतापूर्ण भारतीय संस्कृति की विशाल अमूर्त विरासत का संरक्षण और प्रसार करती है।
- अकादमी देश की सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए यूनेस्को जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ भी सहयोग करती है।

ललित कला अकादमी(Lalit Kala Academi)

- यह भारत सरकार द्वारा 1954 में स्थापित कला की राष्ट्रीय अकादमी है। यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1896 के तहत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत है।
- यह दृश्य कला के क्षेत्र में भारत सरकार का सर्वोच्च सांस्कृतिक निकाय है। यह एक **स्वायत्त निकाय है, जिसे संस्कृति मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित** किया जाता है।

4.6. इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन डेमेट्रियस गैलानोस

(International Conference on Demetrios Galanos)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स (IGNCA) द्वारा नई दिल्ली में 'डेमेट्रियस गैलानोस एंड हिज लिगेसी ('Demetrios Galanos and his Legacy') पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित की गई।

IGNCA के संबंध में

- यह संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त कला संस्थान है। इसे पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की स्मृति में स्थापित किया गया था।
- इसने भारत के दृष्टिकोण से इंडोलोजी (Indology) को पुनर्कल्पित करने के उद्देश्य के साथ वर्ष 2016 में एक दीर्घावधिक अकादमिक कार्यक्रम-**भारत विद्या प्रयोजना** की शुरूआत की।

डेमेट्रियस गैलानोस के संबंध में (About Demetrios Galanos)

- वह एक ग्रीक विद्वान थे, जो 19वीं शताब्दी में अध्ययन करने के लिए भारत आये थे।
- उन्होंने कई अन्य संस्कृत ग्रंथों के साथ भगवद् गीता का ग्रीक भाषा में अनुवाद किया। इनका प्रमुख योगदान लगभग 9000 शब्दों के संस्कृत-इंग्लिश-यूनानी शब्दकोष का संकलन था।

अन्य प्रसिद्ध अनुवादक(Other Famous Translators)

- **चार्ल्स विल्किंस:** यह भगवद गीता का अंग्रेजी में अनुवाद करने वाले प्रथम अनुवादक के रूप में प्रसिद्ध है। इन्होंने 1785 में एक पुस्तक प्रकाशित की, जिसका शीर्षक 'भगवद् गीता या डायलॉग्स ऑफ़ कृष्ण एंड अर्जुन' था।
- **जेम्स प्रिंसेप :** वह एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ बंगाल जर्नल के संस्थापक संपादक थे एवं उन्हें प्राचीन भारत की खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपियों को समझने के लिए जाना जाता है।